सलामे मोहम्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैर मन्कूत़ 17

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صلی اللہ علیہ وسلم م ح م د
صلی اللہ علیہ وسلم ح م د م
صلی اللہ علیہ وسلم م د م ح
صلی اللہ علیہ وسلم د م ح م

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاء اللہ

یا رسول اللہ ﷺ

मुरत्तिब

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

786/92

सलामे मोहम्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 17

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِکِ السَّلٰمِ

ص م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ص ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

ص م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

ص د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

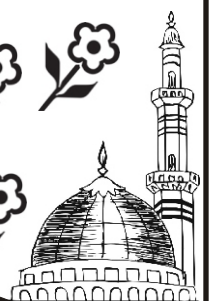

اس نقش کو دیکھنے والے کی

ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

पेशकश

बमौक़ा रज्जब 1438हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन

व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात

मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

सलामे मोहम्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैरमन्कूत़ (१७)

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्हम्दु लिल्लाहि मौलाई हुवल्लाहु इलाहुन दाइमुन ह़य्युल ला इलाह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि अल्लाहुम्मल अव्वलुद्दाइमुल अअ़लल ह़य्यु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि वसल्लिम दाइमन अ़ला मौलाई वुद्दिकलआ़लमि वल्लाआ़लमि व मस़्दरि कल अम्रि वत़ाइरिल्लाहु व इल्ला हु व वमा रआ मारआ इल्ला हु व म अ़हू व अराहुल्लाहु त़वालिअ़हू व सवात़िअ़हू वमा अरा द व हु व अहमदु क मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व स़ा र वालिदुहू

अह़मदलवालिदि वउम्मुहू अह़मदलउम्मि वआलुहू अह़मदलआलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वलमौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि वह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि वआलिही वकुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि ।

मुराद अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। सारा ह़म्द अल्लाह के लिए है हमारा मौला वह अल्लाह है कि इलाह है दाइम है ह़य है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है ऐ हमारे अल्लाह वही अव्वल है दाइम है अअ़ला है ह़य है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है दाइमी दुरूदो सलाम हमारे मौला अल्लाह के मकाँ और लामकाँ की मोह

के लिए वारिद हो और अल्लाह की अम्र के मस़्दर के लिए हो और आ़लमे लाहु व इल्लाहू के त़ाएर के लिए हो कि दिखाई दिए उसे हर एक के हमराह अल्लाह ही अल्लााह अल्लाह के सहारे और दिखाए अल्लाह उसे अल्लाह के सारे मत़ालेअ़ और दमकों को और दिखाए गए उसे हर वह कि अल्लाह का इरादा हुवा और वह अल्लाह की कामिल ह़म्द वाले मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कामिल ह़म्द वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और

वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह के लिए है मेरा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है हमेशगी वाला है हमेशा ज़िन्दा रहने वाला है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं ऐ हमारे अल्लाह तू अव्वल है हमेशगी वाला है बुलंदी वाला है और हमेशा ज़िन्दा रहने वाला है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब दाइमी दुरूदो सलाम मेरे मौला अपने मकानो लामकाँ की मोह़ब्बत और तेरे अम्र के सादिर होने की जगह पर और आ़लमे वह़दत में सैर करने वाले पर और उस ज़ात पर कि जिस ने हर चीज़ में तुझे तेरे साथ रह कर देखा फिर अल्लाह ने आप को मेअ़राज में अपने तमाम जल्वों और अन्वार का मुशाहदा कराया यहाँ तक

कि जो चाहा वह सब दिखाया और वह तेरी कामिल तअ़रीफ़ करने वाले मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु)तमाम वालिद में सब से ज़्यादा अल्लाह की तअ़रीफ़ करने वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सबसे ज़्यादा अल्लाह की तअ़रीफ़ करने वाली हैं और जिनकी आलोऔलाद तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा अल्लाह की तअ़रीफ़ करने वाले हैं और(दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रदि़यल्लाहुअ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आप

की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन हसन सन्जरी पर आप की आल पर और हज़रत मख़्दूम सय्यिद अहमद वलीयुल्लाह पर आप के अस्हाबे रूहानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्कूत़

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहल मीम" जो कि ४० मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्कूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की खुश्नूदी ह़ासिल होगी और उसे आ़लमे वह़दत का फ़ैज़ मिलेगा और उसे "सीन" और "मीम" के बरकात से नवाज़ा जाएगा नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और उनका दीदार नसीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com